

वाग्मी वि. (तत्.) 1. उत्तम बोलने वाला, चतुर वक्ता 2. विद्वान् 3. देवगुरु बृहस्पति।

वाग्युद्ध पुं. (तत्.) वार्तालाप के क्रम में होने वाला विवाद, बातचीत में लड़ाई, बात करते-करते अपशब्दों के प्रयोग वाला वार्तालाप।

वाग्योग पुं. (तत्.) वाग्बंध, सूक्ति।

वाग्लोप पुं. (तत्.) वचन का लोप, वाणी का आघात।

वाग्वज्र पुं. (तत्.) वज्र जैसी कटु कठोर वाणी, कठोर वचन, कटूक्ति, शाप।

वाग्विकृति स्त्री. (तत्.) उच्चारण दोष, वाग् विकार।

वाग्विदग्ध वि. (तत्.) बोलने में प्रवीण, भाषणपटु।

वाग्विद् वि. (तत्.) वाणी का वेत्ता, वाणी के महत्व का ज्ञाता, कवि।

वाग्विभव पुं. (तत्.) बोलने की शक्ति, वाणी की शक्ति।

वाग्विलास पुं. (तत्.) वाणी का मनोविनोद, आनंदपूर्ण बातचीत (बुद्धिमान लोगों का मनोविनोद प्रायः शास्त्रों के कथन (वाणी) पर चर्चा करने से होता है)।

वाग्वीर पुं. (तत्.) 1. बोलने में पटु या चतुर 2. आत्म प्रशंसा करने वाला 3. गप्पे हाँकने वाला।

वाग्वैकल्य पुं. (तत्.) मनो. वाणी की विकलता या दोष बोलने में अक्षमता।

वाग्वैचित्र्य पुं. (तत्.) 1. वाणी की विचित्रता 2. अनेक प्रकार से कथन 3. विचित्र कथन।

वाग्वैदग्ध्य पुं. (तत्.) 1. वाणी में चतुरता 2. भाषा में पटुता।

वाग्व्यवहार पुं. (तत्.) 1. वाणी का व्यवहार 2. बोलचाल में तर्क।

वागशूर वि. (तत्.) जो बहुत अधिक बोलता है, शेखी बघारने वाला, बातें करने में बहादुर।

वाच स्त्री. (अं.) छोटी घड़ी, कलाई में बाँधी जाने वाली घड़ी।

वाचक वि. (तत्.) बोलने वाला, भाषक, बाँचने वाला, कोई लिखित सामग्री पढ़कर सुनाने वाला, पाठक (धार्मिक ग्रंथों की कथाएँ/उपाख्यान सुनाने वाले वाचक कहलाते हैं) पुं. किसी वस्तु का बोध (ज्ञान) कराने वाला शब्द-वाचक शब्द होता है।

वाचक धर्मलुप्ता स्त्री. (तत्.) वह उपमा जिसमें वाचक और साधारण धर्म का लोप हो।

वाचकलुप्ता स्त्री. (तत्.) वह उपमा जिसमें उपमा वाचक शब्द का लोप हो।

वाचकोपमानधर्मलुप्ता स्त्री. (तत्.) वह उपमा जिसमें वाचक, उपमान और धर्म लुप्त हो।

वाचकोपमेयलुप्ता स्त्री. (तत्.) वह उपमा जिसमें वाचक और उपमेय का लोप हो।

वाचकनवी स्त्री. (तत्.) गार्गी (एक ऋषि पत्नी)।

वाचन पुं. (तत्.) पढ़ना, पढ़ने में लगाना, उच्चारण, कथन, कहना।

वाचना स्त्री. (तत्.) उच्चारण करना, पढ़ना, (जैन धर्म में) किसी उत्तम ग्रंथ का उपदेश।

वाचनालय पुं. (तत्.) 1. पत्र-पत्रिका पढ़ने का सार्वजनिक स्थान 2. अध्ययन की जगह, (प्रायः पुस्तकालय में एक वाचनालय भी होता है)।

वाचनिक पुं. (तत्.) केवल वचन से प्रकट की जाने वाली बात, मौखिक कथन।

वाचसांपति पुं. (तत्.) 1. वाणी का अधिपति (देवगुरु बृहस्पति) 2. गुरु ग्रह।

वाचस्पति पुं. (तत्.) 1. वाणी का पति, श्रेष्ठ वक्ता और विद्वान् 2. बृहस्पति 3. ब्रह्मा।

वाचस्पत्यम् पुं. (तत्.) वचन की पटुता, वक्तृत्वशक्ति, वैदुष्य, विद्वत्ता 2. 'वाचस्पत्यम्' नामक एक ग्रंथ।

वाचा स्त्री. (तत्.) वाणी, वचन, वचन समूह, वाणी से या वाणी के द्वारा (मन, वचन और कर्म से